

सुप्रीम कोर्ट का फैसला : सेवन वंडर पार्क को एक माह में हटाने के आदेश

सरकार और जिला प्रशासन को अनुपालना रिपोर्ट एक माह में पेश करने के आदेश दिये

अजमेर, (कासं)। अजमेर के आनासागर भराव क्षेत्र और ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में हुए अवैध निर्माण को लेकर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने अवैध निर्माणों पर सख्त रुख अपनाने हुए सरकार और जिला प्रशासन को एक माह में सेवन वंडर पार्क को हटाने और इसकी अनुपालन रिपोर्ट एक माह में पेश करने के आदेश दिए हैं। मामले में अब अगली सुनवाई 16 मई को होगी। कोर्ट ने जिला प्रशासन द्वारा तबीजी और फॉयसगर वेटलैंड्स को लेकर पेश किए गए हलफनामे पर भी विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल धुयान की बेंच ने इस मामले में सुनवाई की। राज्य सरकार की ओर से

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पैरवी की, जबकि याचिकाकर्ता अशोक मलिक ने खुद अपना पक्ष रखा। कोर्ट ने सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए कि सेवन वंडर्स पार्क को हटाने का कार्य 30 दिनों में पूरा किया जाए। सुनवाई के दौरान सरकार ने बताया कि इस पार्क को हटाने की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी गई है और 15 से 30 दिनों में यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। पिछली सुनवाई में सरकार ने ध्वस्तीकरण और स्थानांतरण के लिए 6 महीने का समय मांगा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अब इसे एक माह के भीतर पूरा करने का आदेश दिया है।

विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा :-कोर्ट ने सरकार से तबीजी और फॉयसगर ग्रीन क्षेत्र को लेकर विस्तृत

■ **सुनवाई के दौरान सरकार ने बताया कि इस पार्क को हटाने की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी गई है और 15 से 30 दिन में यह कार्य पूरा कर लिया**

रिपोर्ट पेश करने को कहा है। सरकार को इन वेटलैंड्स पर समुचित योजना तैयार कर अदालत के समक्ष पेश करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि कोर्ट में नेशनल एन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट और अन्य विशेषज्ञ संस्थाओं का विश्लेषण शामिल होना

चाहिए। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि नेशनल एन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट और अन्य विशेषज्ञ संस्थाओं की रिपोर्ट अगले 15 दिनों में तैयार की जाएगी। सरकार ने पहले ही तबीजी और फॉयसगर वेटलैंड्स विकसित करने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस पर ठोस योजना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से तैयार रिपोर्ट मांगी है।

झील परिधि में बने पाथवे पर भी उठे सवाल :-सुप्रीम कोर्ट ने आनासागर झील के किनारे बने पाथवे को लेकर भी सवाल उठाए। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट में बताया कि यह पानी झील की परिधि पर बना हुआ है और यदि इसे हटा दिया गया तो झील की तलहटी और वेटलैंड क्षेत्र में अवैध

अतिक्रमण की संभावना बढ़ सकती है। इस पर कोर्ट ने कहा कि जब तक वेटलैंट्स की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट नहीं मिलती, तब तक इस मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा।

जिला प्रशासन ने पेश किया हलफनामा :- गौरतलब है कि जिला प्रशासन ने इस मामले में 31 पेज का अतिरिक्त हलफनामा पेश किया था। इसके जवाब में याचिकाकर्ता अशोक मलिक ने 38 पेज का काउंटर हलफनामा सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया। 17 मार्च को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने फूडकोर्ट को ध्वस्त करने और दुर्गम क्षेत्र में वेटलैंड विकसित करने की योजना पेश करने का निर्देश दिया था। अब सरकार को विस्तृत रिपोर्ट 16 मई को पेश करने है।

जिम ट्रेनर ने युवती से दुष्कर्म किया

बीकानेर, (निस्)। एक फिटनेस जिम में युवती के अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म करने और उसे ब्लैकमेल कर 23.60 लाख रुपए हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस जिम ट्रेनर और उसके दोस्त के खिलाफ जांच कर रही है।

एक युवती जो कि फिटनेस सेंटर जाया करती करती थी। आरोप है कि जिम के ट्रेनर रणवीरसिंह और उसके दोस्त लक्की उर्फ लोकेश ने टॉयलेट में युवती की अश्लील फोटो और वीडियो बना ली। सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगे और रणवीर ने युवती का बार-बार देह शोषण किया। युवती को डरा-धमकाकर उसे 23.60 लाख रुपए भी हड़प लिए।

■ **युवती को ब्लैकमेल कर 23.60 लाख हड़पे, मामला दर्ज**

लक्की के इस काम में रणवीर का सहयोग करता रहा। रणवीर ने युवती को ब्लैकमेल कर हड़पे रुपयों से कार भी खरीद ली। पुलिस ने मामला दर्ज किया है जिसकी जांच एसएचओ सुरेन्द्र पंचार कर रहे हैं। पौडिता की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि साल भर पहले वह जिम जाती थी। जहां रणवीर और उसका दोस्त लक्की उस पर बुरी नजर रखते थे। रणवीर एक्ससाइज ट्रेनिंग के नाम पर उसके शरीर से छेड़छाड़ करता था। दोनों आरोपियों ने जिम के टॉयलेट में

अपने मोबाइल सेट कर उसके अश्लील फोटो लिए और वीडियो बना लिया। उसके बाद वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगे। रणवीर उसे एरोबिक्स हॉल में ले जाकर दुष्कर्म करता और लक्की बाहर निगरानी करता। अश्लील वीडियो बनाता था। दोनों धमकाकर रुपए मांगने लगे। डर के कारण वह घर में पिता और भाई के रुपए चोरी कर दोनों आरोपियों को देने लगी। उससे 23.60 लाख रुपए हड़प लिए। करीब 2.50 लाख रुपए ऑनलाइन दिए। रणवीर ने 26 नवंबर, 2024 को दो लाख रुपए लिए। आखिरकार परेशान होकर पौडिता ने अपने परिजनों को बताया और पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया।

जालोर जिला कारागृह में दो बंदी भिड़े, एक घायल

जालोर, (कासं)। जालोर जिला कारागृह में गत रविवार को किसी बात को लेकर दो बंदी आपस में भिड़ गये। दोनों बंदियों के बीच मारपीट में एक बंदी घायल हो गया। मारपीट की घटना के बाद घायल बंदी के परिजनों ने जेल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उसे जान का खतरा बताया।

जालोर जिला कारागृह में अत्यवस्थाओं के चलते कई शिकायत आती रहती है। जिला कारागृह में लापरवाही के चलते दो बंदी जेल में ही आपस में मारपीट करने लगे। मारपीट के बाद जेल में अफरा तफरी का माहौल बन गया। हत्या के मामले में बंद जबरसिंह निवासी शंखवाली पिछले

■ **घटना के बाद घायल बंदी के परिजनों ने जेल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया**

करीब एक साल से जिला कारागृह जालोर में बंद है। वहीं आलासन निवासी सुरेश मेघवाल पिछले करीब सात माह से बंद है।

रविवार सुबह करीब ग्यारह साढ़े ग्यारह बजे किसी बात को लेकर जबरसिंह व सुरेश के बीच बहसबाजी होने लगी तथा बहसबाजी हाथापाई तक

पहुंच गई। सुरेश के जबरसिंह को धक्का देने से उसके दीवार के टकराने से उसके चोट लग गई। वहीं जिला कारागृह में मारपीट के घटना की सूचना पर जेल प्रशासन ने पहुंचकर मामले को शांत करवाया।

जबरसिंह के मारपीट में चोट आने पर जेल प्रशासन ने इलाज के लिए जेल में नियुक्त डॉक्टरों की टीम को बुलाया, लेकिन घायल बंदी ने जेल में इलाज करने से मना करते हुए बाहर इलाज करवाने की मांग की। मारपीट की सूचना पर जबरसिंह के परिजन भी जिला कारागृह पहुंच गये तथा उन्होंने मारपीट की घटना पर रोष प्रकट करते हुए जेल प्रशासन की लापरवाही

बताया। उन्होंने जबरसिंह को जान का खतरा बताया। सोमवार को सुरेश द्वारा जबरसिंह के खिलाफ मारपीट कर अनुसूचित जाति अनुसचित जन जाति धारा में मामला दर्ज करवाने की सूचना मिल रही है। बंदियों की मारपीट के बाद जेल में बंद भी सहमे गये।

जिला कारागृह जालोर की जेल उपाधीक्षक सम्पति बामणि्या ने बताया कि सुरेश व जबरसिंह दोनों को अलग-अलग बैरक में ही रखा गया था। कल पानी को लेकर दोनों के बीच बहसबाजी हुई थी। मामले को शांत करवा दिया गया है तथा जबरसिंह की मांग पर उसका इलाज राजकीय चिकित्सालय जालोर में करवाया गया है।

अज्ञात कारणों के चलते युवक ने आत्महत्या की

टोंका पुरानी टोंक थाना क्षेत्र के माणक चोक पांच मन्दिर क्षेत्र में निवास कर रहे निवास जांगिड़ पुत्र प्रेमचन्द्र जांगिड़ उम्र 35 साल ने अज्ञात कारणों के चलते सोमवार सुबह अपने कमरे में लटक रहे पंखे से लटककर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। थाना पुलिस ने सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर जिला अस्पताल सआदत चिकित्सालय टोंक की मोर्चरी में रखवाया जहां मामले में अनुसंधान जारी है।

कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन के खुले

परिसर में आग लगी

कोटा, (निस्)। राजस्थान के कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन के स्टोर में आग लगने का मामला सामने आया है। इसकी सूचना पर नहर निगम के अग्निशमन अनुभाग सहित अन्य 15 दमकल मौके पर पहुंची। यह आग खुले परिसर में बने हुए स्टोर में लगी है जहां पर केमिकल से लेकर कई मशीनरी के सामान भी पड़े हुए थे। आग ने इन सबको अपनी जद में ले लिया है। आग करीब

डेढ़ घंटे से फैली हुई है और लगातार बढ़ रही है। आग के कारण थर्मल को बड़ा आर्थिक नुकसान हो चुका है।

नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास का कहना है कि आग करीब सवा दो बजे आग लगने की सूचना थर्मल से मिली थी। इसके बाद साथ दमकल गाड़ियों नगर निगम की रवाना की है। जबकि तीन दमकल की गाड़ियां थर्मल की भी मौके पर थीं और

आग बुझाने में लगी हुई रही। आग स्टोर परिसर में लगी है। राकेश व्यास का कहना है कि हमारी टीम सोमवार को 2.30 बजे के आसपास पहुंच गई थी। आग बुझाने का प्रयास कर रहे। राकेश व्यास का कहना है कि मौके पर 15 दमकल और 10 टैंकर आग बुझाने में जुटे। फायर ब्रिगेड में 10 नगर निगम कोटा उत्तर व दक्षिण, डीसीएम व सिविल डिफेंस की एक-एक साथ ही तीन थर्मल की

दमकल शामिल थीं। जहां आग लगी है, वहां थर्मल में काफी बड़ा स्टोर है। यह खुले परिसर के साथ-साथ कुछ बिल्डिंग में भी बना हुआ है। आग खुले परिसर में लगी थी। इसमें टायर, स्क्रैप, पुरानी गाड़ियां, लकड़ी, केमिकल, रख व वायर से लेकर काफी सामान यहां पर पड़ा हुआ है। इसमें पुरानी मशीनरी भी है। हमने यहां पर मैकेनिक फ़ोम भी करीब 200 से 300 किलो डाला। आग लगने

की सूचना पर प्रशासन भी अलर्ट हो गया। मौके पर एडीएम कृष्णा शुक्ला पहुंची। इसके अलावा थर्मल के वरिष्ठ इंजीनियर भी मौके पर मौजूद रहे। थर्मल की सुरक्षा में तैनात सीआईएसफ भी मौके पर रही। आग काफी बड़े एरिया में फैली हुई थी।

जिसकी लपटें दूर तक देखने को मिल रही थी। आग लगने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है।

कुठानियां के देई माई मंदिर ट्रस्ट की सम्पत्ति के गबन का आरोप

खेतड़ी, (निस्)। कुठानियां देई माई ट्रस्ट के सचिव ने ट्रस्ट अध्यक्ष व उसके बेटे के खिलाफ जान से मारने की धमकी, ट्रस्ट के रूपए व चांदी के छत्तर व अन्य चल सम्पत्तियों का गबन करने का मामला दर्ज करवाया है।

थानाधिकारी रामसिंह यादव ने बताया कि देई माई ट्रस्ट के सचिव मानोता जाटान निवासी लक्ष्मण सिंह राजपूत ने ट्रस्ट के अध्यक्ष सुमेरसिंह भाटी व उसके बेटे जिनेश कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दी कि वह मंदिर श्री देई माई कुठानियां प्रन्त्यास का सचिव है। उक्त मंदिर का पूरा कार्य प्रन्त्यास द्वारा किया जा रहा है तथा मंदिर में भक्तागणों द्वारा नित्य प्रति चढ़ावा व अन्य चल सम्पत्तियां भेंट स्वरूप चढ़ाई जाती है। मंदिर में नित्य प्रति भक्तों की काफी भीड़ रहती है,जिससे अच्छा चढ़ावा आता है।

मंदिर में आने भक्तों की भीड़ व चढ़ावा को देखते हुए प्रन्त्यास के सदस्यों द्वारा मंदिर परिसर में बने भंडार गृह का निरीक्षण किया गया तो प्रन्त्यास सदस्यों को चढा वे व अन्य सामग्री में कमी पाई गई। जिसके प्रत्यक्ष प्रन्त्यास के सदस्यों द्वारा मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों को देखा गया तो प्रन्त्यास के सदस्यों की जानकारी में यह तथ्य आया कि मंदिर में आने वाले चढ़ावे जैसे नकद राशि,चांदी के छत्तर व अन्य चल सम्पत्तियों को प्रन्त्यास के

■ **कुठानियां देई माई ट्रस्ट के सचिव ने ट्रस्ट अध्यक्ष और उसके बेटे पर जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज करवाया**

■ **पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की**

पूर्व अध्यक्ष सुमेर सिंह भाटी व उनके पुत्र जिनेश कुमार द्वारा आपस में मिलीभगत करके गबन किया जा रहा है। 15 मार्च 2025 को ट्रस्ट के सभी प्रन्त्यासियों द्वारा उक्त सुमेर सिंह भाटी व उसके पुत्र जिनेश कुमार द्वारा मंदिर में आने वाले चढ़ावे, नकद धनराशि व चांदी के छत्तर व अन्य चल सम्पत्तियों को अपने साथ ले गए। उक्त लोगों ने षडयंत्र पूर्वक मंदिर में चढ़ावा के रूप में कार्य में रूकावट की गई तो वह सभी के हाथ-पांव तोड़ देगा और उनको बूढ़े मुकदमें में फंसा देगा। 15 मार्च 2025 को जिनेश कुमार अपने साथ कुल्हाड़ी व फरसा लेकर आया और प्रन्त्यासियों को मारने का प्रयास किया, लेकिन पूर्व अध्यक्ष का बेटा होने के कारण प्रन्त्यासियों ने जिनेश के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की। प्रन्त्यास के सदस्यों की बैठक बुलाकर सर्वसम्मति से

खान विभाग के विजिलेंस ऑफिसर की हार्ट अटैक से मौत

■ **फील्ड जांच के लिए हनुमानगढ़ आए थे, रिटायरमेंट में सात महीने बचे थे**

ललित मंगल ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि उसके चाचा मुकेश मंगल (59) बीकानेर खान विभाग में विजिलेंस ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। उनके पास हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिले की जांच का ज़िम्मा था। वे फील्ड जांच के लिए हनुमानगढ़ आए थे। वे धन्रासर कस्बे के एक होटल में ठहरे हुए थे। सोमवार सुबह करीब 7:10 बजे उन्हें सीने में तेज दर्द महसूस हुआ। उन्होंने तुरंत अपने साथी स्टाफ को फोन कर सूचना दी। जब स्टाफ होटल पहुंचा तो वे बेड पर बेहोश पड़े थे। उन्हें रावतसर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रावतसर थाने के एसएसआई शोशलान ने बताया कि विभाग में विजिलेंस ऑफिसर के पद पर कार्यरत मृतक के भतीजे बाड़ी धौलपुर निवासी

ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने हार्ट अटैक से मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच एसएसआई शोशलपाल को सौंपी गई है। जानकारी के अनुसार मुकेश मंगल ने टीम के साथ पांच दिन से धन्रासर में कैप किया हुआ था। वे आसपास के इलाके में अवैध खनन से संबंधित जानकारी जुटा रहे थे। इलाके में अवैध खनन की शिकायत के बाद टीम मौका निरीक्षण करने पहुंची थी। मुकेश मंगल धौलपुर के बाड़ी के रहने वाले थे और वर्तमान में खान विभाग बीकानेर में पोस्टेड थे। उनका इसी साल 30 नवंबर को रिटायरमेंट होने वाला था। ललित मंगल ने बताया कि मृतक दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा तलब बंगलूरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। वहीं, दूसरा बेटा रिशभ अश्वय पात्र जयपुर में कार्य करता है। पत्नी संगीता हाउस वाइफ है।

डोडा-चूरा तस्कर को तीन साल का कठोर कारावास

भीलवाड़ा, (निस्)।विशिष्ट न्यायाधीश (एनडीपीएस प्रकरण) जगदीशप्रसाद शर्मा ने अफीम डोडा-चूरा तस्करी के एक मामले में तस्कर को तीन साल के

■ **30 हजार रुपये के जुर्माने से भी दंडित किया**

कठोर कारावास और 30 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया गया।

प्रकरण के अनुसार, बीगोद थाने के तत्कालीन प्रभारी महावीर प्रसाद मीणा को 28 सितंबर 2017 को मुखबिंद से सूचना मिली थी कि अजमेर में पंजीकृत नंबर की एक पिकअप में अफीम डोडा-चूरा परिवहन कर लाया जा रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी मीणा ने त्रिवेणी चौराहे पर नाकाबंदी की। सूचना के मुताबिक आई पिकअप को चालक मणा ले गया। पुलिस ने पीछा कर पिकअप को रुकवाया। चालक से पूछताछ की तो



पुलिस ने डोडा-चूरा तस्करी के आरोपी को कोर्ट में पेश किया।

उसने खुद को अजमेर जिले के सावर थाने के गोपालपुरा का निवासी भैरूलाल पुत्र खुलाली मीणा होना बताया। तलाशी लेने पर पिकअप में 48 किलो डोडा-चूरा मिला, जिसे पिकअप सहित जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर आरोपित के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। बाद में पुलिस ने चार्जशीट न्यायालय में पेश की।

ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी करते हुये रामस्वरूप गुर्जर ने न्यायालय में 7 गवाहों के बयान दर्ज करवाते हुये 69 दस्तावेज पेश कर दोष सिद्ध करवाया। न्यायालय ने फैसला सुनाते हुये आरोपित भैरूलाल को तीन साल के कठोर कारावास और 30 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

ठगों ने किसान के पैन कार्ड से फर्जी कंपनी बनाई, 143 करोड़ का लेन-देन किया

पीड़ित किसान को मामले की जानकारी आयकर विभाग से मिले नोटिस के बाद पता चली

अजमेर, (कासं)। अजमेर के असहमेर में किसान के साथ सायबर ठगी का हैरतअंगेज मामला सामने आया है। शातिर ठगों ने किसान के पैन कार्ड से फर्जीबाड़ा कर कंपनी बनाई और 143 करोड़ रुपए का लेनदेन किया। पीड़ित किसान को इसकी जानकारी आयकर विभाग से मिले नोटिस के बाद पता चली। पीड़ित किसान सोमवार को न्याय की गुहार लगाने एसपी ऑफिस पहुंचा, जहां उसने एसपी वंदिता राणा को ज्ञापन सौंप कर न्याय की गुहार लगाते हुए शातिर ठगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जाकारी के अनुसार अजमेर जिले के सरवाड़ निवासी रामराज चौधरी ने सोमवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी

■ **पीड़ित किसान न्याय की गुहार लगाने एसपी ऑफिस पहुंचा, शातिर ठगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की**

■ **पैन कार्ड से नीतिया एक्जिम नाम से वित्तीय वर्ष 2020-21 में कंपनी खोली गई, जिसका कोटक महिंद्रा बैंक में खता भी खोला गया था**

वंदिता राणा को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई।

एसपी को सौंपे ज्ञापन में पीड़ित किसान रामराज ने बताया कि उसे

3 अप्रैल को आयकर विभाग की ओर से नोटिस मिला, जिसमें उसे जानकारी हुई कि उसके पैनकार्ड का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी की गई है। पैनकार्ड से नीतिया एक्जिम नाम से वित्तीय वर्ष 2020-21 में कंपनी खोली गई, जिसमें कोटक महिंद्रा बैंक में खता भी खोला गया था

वंदिता राणा को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई। एसपी को सौंपे ज्ञापन में पीड़ित किसान रामराज ने बताया कि उसे 3 अप्रैल को आयकर विभाग की ओर से नोटिस मिला, जिसमें उसे जानकारी हुई कि उसके पैनकार्ड का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी की गई है। पैनकार्ड से नीतिया एक्जिम नाम से वित्तीय वर्ष 2020-21 में कंपनी खोली गई, जिसमें कोटक महिंद्रा



पीड़ित किसान।

पहुंचा और आयकर विभाग को इसकी जानकारी दी कि उसका कोई